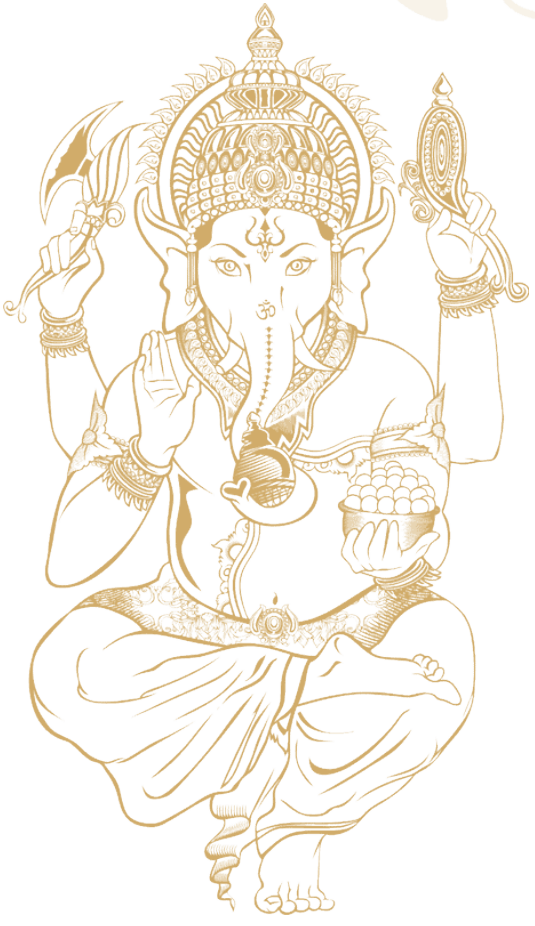

Mr.yashpal

Ms.bhavna

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121901702

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
07/01/1997	जन्म तिथि	04/08/1998
मंगलवार	दिन	मंगलवार
घंटे 17:25:00	जन्म समय	22:30:00 घंटे
घटी 25:08:56	जन्म समय(घटी)	42:06:45 घटी
India	देश	India
Karsog	स्थान	Seoni
31:23:00 उत्तर	अक्षांश	31:14:00 उत्तर
77:12:00 पूर्व	रेखांश	77:06:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:12	स्थानिक संस्कार	-00:21:36 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:21:25	सूर्योदय	05:39:58
17:33:47	सूर्यास्त	19:14:55
23:48:57	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:07

विंशोत्तरी केतु 6वर्ष 11मा 13दि सूर्य		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी केतु 3वर्ष 10मा 4दि सूर्य	
22/12/2023		22:26:37	मिथु	लग्न	मीन	28:14:54		
21/12/2029		23:24:54	धनु	सूर्य	कर्क	18:16:43	10/06/2022	
		00:05:20	धनु	चंद्र	धनु	06:00:21	09/06/2028	
सूर्य	10/04/2024	07:26:54	कन्या	मंगल	मिथु	25:42:05	सूर्य	27/09/2022
चन्द्र	09/10/2024	11:24:47	धनु व	बुध व	सिंह	03:31:04	चन्द्र	29/03/2023
मंगल	14/02/2025	02:51:49	मक	गुरु व	मीन	03:43:04	मंगल	04/08/2023
राहु	09/01/2026	02:45:40	धनु	शुक्र	मिथु	25:35:48	राहु	27/06/2024
गुरु	28/10/2026	07:52:45	मीन	शनि	मेष	09:41:09	गुरु	16/04/2025
शनि	10/10/2027	08:08:58	कन्या व	राहु व	सिंह	07:44:39	शनि	29/03/2026
बुध	15/08/2028	08:08:58	मीन व	केतु व	कुंभ	07:44:39	बुध	02/02/2027
केतु	21/12/2028	09:49:06	मक	हर्ष व	मक	16:52:29	केतु	10/06/2027
शुक्र	21/12/2029	03:15:15	मक	नेप व	मक	06:37:04	शुक्र	09/06/2028
		10:46:53	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	11:29:50		

लग्न-चलित

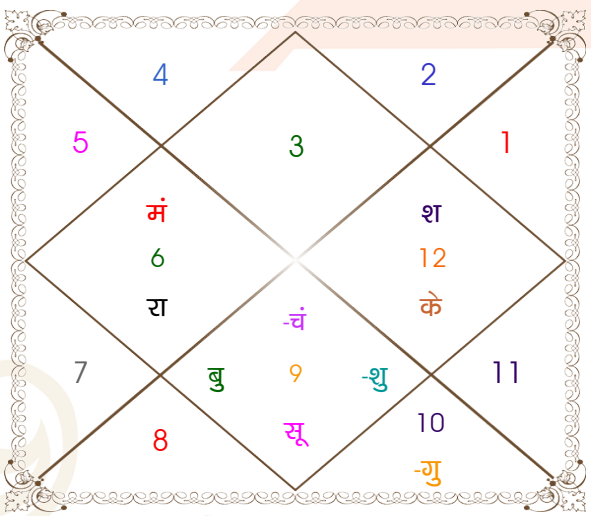

लग्न-चलित

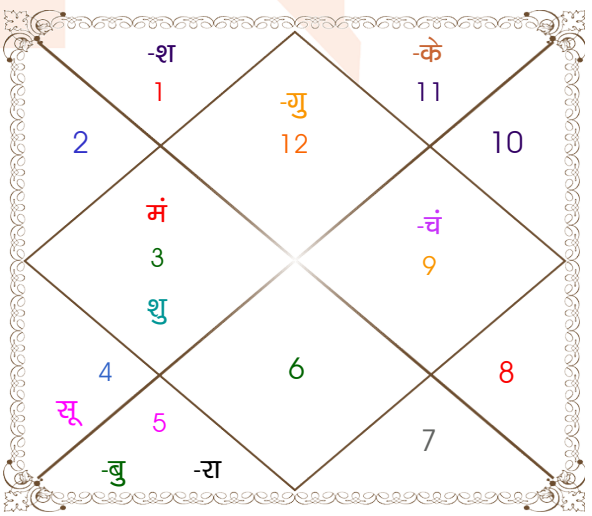

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	श्वान	श्वान	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

Mr.yashpal का वर्ग मृग है तथा Ms.bhavna का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.yashpal और Ms.bhavna का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.yashpal मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु Mr.yashpal कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.bhavna मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms.bhavna कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Mr.yashpal कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.yashpal तथा Ms.bhavna में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।